

‘राॅयल्टी वसूली सरख्ती से हो, अवैध खनन को रोकें’

मुख्यमंत्री भजन लाल ने रविवार को खनन विभाग की समीक्षा बैठक ली

■ उन्होंने कहा कि नवीन सूचना प्रौद्योगिकी तकनीकों का समावेश कर विभाग अवैध खनन पर प्रभावी रोकथाम करे। सी सी टी वी कैमरे, ड्रोन सर्वे व मालवाहक वाहनों की सख्त चेंकिंग सुनिश्चित करें।

■ मुख्यमंत्री ने ओडिशा सहित अन्य राज्यों में खनन क्षेत्र में क्रियान्वित श्रेष्ठ कार्य प्रणालियों को लागू करने की संभावनाएं तलाशने का निर्देश दिया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को मुख्यमंत्री निवास पर खनन विभाग की समीक्षा बैठक को संबोधित किया। इस अवसर पर उन्होंने खनन विभाग को नये खनन क्षेत्रों की खोज में तेजी लाने तथा नीलामी प्रक्रिया को और गति देने के निर्देश दिए।

जयपुर, 6 जुलाई। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने खनिज सम्पदा का समुचित दोहन करते हुए राजस्व लक्ष्यों की प्राप्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि राॅयल्टी वसूली के प्रकरणों में सख्ती से नियमानुसार कार्यवाही की जाए। साथ ही, खनन अधिनियमों और नियमों की अनुपालना सुनिश्चित करते हुए अवैध खनन गतिविधियों की प्रभावी रोकथाम की जाए।

शर्मा रविवार को मुख्यमंत्री निवास पर खनन विभाग की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि

प्रदेश में खनिज संपदा प्रचुर मात्रा में उपलब्ध है तथा यहां खनन की अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने खनन विभाग को नये खनन क्षेत्रों की खोज में तेजी लाने तथा नीलामी प्रक्रिया को और गति देने के निर्देश दिए। शर्मा ने कहा कि नीलाम किए गए ब्लॉक्स में खनन कार्य शीघ्र प्रारंभ किया जाए ताकि उपभोक्ताओं की मांग के अनुरूप समय पर पूर्ति सुनिश्चित हो सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के राजस्व में खनन की महत्वपूर्ण भूमिका है। ऐसे में खनन विभाग समयबद्ध रूप से तय राजस्व लक्ष्यों की प्राप्ति सुनिश्चित

करे। इस कार्य में किसी भी स्तर पर कोवही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

शर्मा ने कहा कि नवीन सूचना प्रौद्योगिकी तकनीकों का समावेश करते हुए विभाग अवैध खनन पर प्रभावी रोकथाम करे।

उन्होंने सीसीटीवी कैमरे, ड्रोन सर्वे और मालवाहक गाड़ी की सख्त चेंकिंग सुनिश्चित करते हुए अवैध खनन पर अंकुश लगाने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि एम-सैंड पर्यावरण के अनुकूल होने के साथ ही गुणवत्तापूर्ण भवन निर्माण सामग्री का एक बेहतर विकल्प है। इसे व्यापक

रूप से प्रोत्साहित किया जाए ताकि बजरी के दोहन में कमी आए। साथ ही, शर्मा ने क्रशर डस्ट के उपयोग को भी प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने नए ब्लॉक्स की नीलामी की संभावनाएं तलाशने, डीएमएफटी और एनएमईटी से संबंधित प्रकरणों की विस्तृत समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। साथ ही, उन्होंने ओडिशा सहित अन्य राज्यों में खनन क्षेत्र में क्रियान्वित श्रेष्ठ कार्यप्रणालियों का अवलोकन कर इन्हें राजस्थान में लागू करने की संभावना पर कार्य करने के लिए भी निर्देशित किया।

अमित शाह ने भारत के पहले सहकारी वि.वि. का भूमि पूजन किया

नई दिल्ली, 06 जुलाई। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने आज गुजरात के आणंद में देश के पहले सहकारी विश्वविद्यालय “त्रिभुवन सहकारी यूनिवर्सिटी” का भूमि पूजन किया। इसके साथ ही पीएम मोदी ने त्रिभुवन दास पटेल को श्रद्धांजलि दी। इस यूनिवर्सिटी से सहकारिता में भाई-भतीजावाद खत्म होगा, पारदर्शिता आएगी और सहकारी यूनिवर्सिटी से प्रशिक्षण लेने वालों को रोजगार मिलेगा।

शाह ने कहा, इस यूनिवर्सिटी में युवाओं को तकनीकी विशेषज्ञता, अकाउंटेंसी, वैज्ञानिक अप्रोच और मार्केटिंग के साथ-साथ सहकारिता के संस्कार भी सीखने को मिलेंगे। एक सहकारी नेता हर सदस्य की भलाई के लिए जब काम करता है, तो राष्ट्र-निर्माण की प्रक्रिया में कितना बड़ा योगदान देता है, इसके आदर्श उदाहरण त्रिभुवन दास जी थे। इस लिए इस यूनिवर्सिटी के लिए सबसे उचित नाम त्रिभुवनदास है।

उन्होंने कहा, त्रिभुवन दास के ही विजन के कारण दुनियाभर की निजी डेयरियों के सामने आज हमारे देश की कोऑपरेटिव डेयरी सीना ताककर खड़ी है।

पूर्व मुख्यमंत्री गहलोत के भतीजे के पुत्र की सड़क हादसे में मौत

मृतक रुद्रवीर अपने रिसॉर्ट से 30 किलोमीटर दूर जैसलमेर केक लाने जा रहे थे

जोधपुर, 6 जुलाई (का.सं.) । जैसलमेर में शनिवार रात हुए एक सड़क हादसे में पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के एक रिश्ते के पोते की मौत हो गई। मृतक पूर्व सीएम अशोक गहलोत के भतीजे का पुत्र था।

जानकारी के अनुसार इंदिरा इंडोर स्टेडियम के पास कार पलटने से रुद्रवीर (21) पुत्र अजय गहलोत की मौत हो गई, तथा हादसे में उसके चार दोस्त अपनी कार में चार दोस्तों के साथ दामोदरा से केक लेने जैसलमेर रवाना हुआ। जैसलमेर आते समय रात करीब 11.30 बजे इंदिरा इंडोर स्टेडियम के पास तेज गति से दौड़ रही कार निर्माणाधीन सड़क पर अचानक पलट गई। दो बार पलटने के बाद कार सड़क के पास उलट गई।

गाड़ी रुद्रवीर चला रहा था और गाड़ी के पलटने पर वो गाड़ी से बाहर आकर गिरा और किसी पत्थर से टकराने से गंभीर रूप घायल हो गया। हादसे के बाद राह से गुजर रही एक

■ अशोक गहलोत के भतीजे अजय लम्बे समय से जैसलमेर में रहते हैं और दामोदरा गांव में बी एड कॉलेज का संचालन करते हैं। दामोदरा में ही उन्होंने एक रिसॉर्ट बना रखा है जहां शनिवार को जन्मदिन की पार्टी का आयोजन था।

जैसलमेर से वहां पहुंचे रात करीब ग्यारह बजे सभी को याद आया कि वे केक लाना भूल गए हैं। तब रुद्रवीर अपनी कार में चार दोस्तों के साथ दामोदरा से केक लेने जैसलमेर रवाना हुआ। जैसलमेर आते समय रात करीब 11.30 बजे इंदिरा इंडोर स्टेडियम के पास तेज गति से दौड़ रही कार निर्माणाधीन सड़क पर अचानक पलट गई। दो बार पलटने के बाद कार सड़क के पास उलट गई।

गाड़ी रुद्रवीर चला रहा था और गाड़ी के पलटने पर वो गाड़ी से बाहर आकर गिरा और किसी पत्थर से टकराने से गंभीर रूप घायल हो गया।

हादसे के बाद राह से गुजर रही एक

बोलेंगे गाड़ी में सवार लोगों ने हादसाग्रस्त गाड़ी के शीशे तोड़कर सभी को बाहर निकाला और रुद्रवीर सहित सभी को जवाहर अस्पताल पहुंचाया। जानकारी के अनुसार मृतक रुद्रवीर पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के भतीजे अजय गहलोत का बेटा था। अजय गहलोत लम्बे समय से जैसलमेर में रहते हैं और दामोदरा गांव में बीएड कॉलेज का संचालन कर रहे हैं। दामोदरा में ही उन्होंने एक रिसॉर्ट भी बना रखा है, जहां शनिवार को जन्मदिन की पार्टी का आयोजन हुआ था। परिजन रुद्रवीर का शव लेकर जोधपुर आए और आज दोपहर उसका अंतिम संस्कार किया गया।

नकाबपोश युवकों ने मुस्लिम परिवार के दो मकानों में आग लगाई

भिवानी, 6 जुलाई। हरियाणा के भिवानी जिले के ढाणी मांहु गांव की एक सनसनीखेज घटना सामने आई है। गांव में कुछ अज्ञात लोगों ने मुस्लिम परिवार के दो मकानों का सामान पहले बाहर फेंक कर मकान और सामान को आग के हवाले कर दिया गया। मामले की जानकारी मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची, अभिनयमन विभाग की गाड़ियां भी बुलाई गईं और आग पर काबू पाया गया।

भिवानी के ढाणी मांहु गांव में हुसैन नामक शख्स के दो मकानों के सामान को कुछ नकाबपोश युवकों ने पहले बाहर फेंका और फिर आग के हवाले कर दिया। मामले की जानकारी पुलिस को दी गई तो बड़ी संख्या में पुलिस बलों ने मौके पर

- भिवानी जिले के एक गांव की घटना में पुलिस व फायर ब्रिगेड ने तुरंत कार्रवाई की

■ अभी आग लगाने वालों का पता नहीं चल पाया है।

पहुंचकर हालात पर काबू पाया। वहीं जिस घर में आग लगाई गई, उस घर के परिवार का कोई सदस्य मौके पर नहीं मिला है। पुलिस ने भी आसपास के लोगों से पूछताछ की है। खबर लिखे जाने तक आग लगाने वालों और परिवार के लोगों का पता नहीं चल सका है। अक्षय नाम के ग्रामीण के अनुसार, दर्जनों की तादाद में नकाबपोश युवकों ने घटना को अंजाम दिया है। उन्होंने अपने मुंह ढं क रखे थे। कुछ लोगों ने हथौड़ा ले रखा था जिससे उन्होंने तोड़फोड़ की। इसके बाद नकाबपोश मौके से फरार हो गए।

‘हम हिंदी विरोधी नहीं, प्राथमिक शिक्षा में इसे थोपने के खिलाफ हैं’

मुंबई, 6 जुलाई। महाराष्ट्र सरकार ने फैसला लिया था कि कक्षा 1 से 5 तक हिंदी तीसरी भाषा के रूप में पढ़ाई जाएगी, लेकिन विरोध के बाद सरकार ने यह फैसला वापस ले लिया। इस जीत का जश्न मनाने के लिए शनिवार को उद्भव ठाकरे और राज ठाकरे सालों बाद एक मंच पर आए। हालांकि, अगले ही दिन रविवार को उद्भव की शिवसेना ने साफ किया कि उनकी पार्टी हिंदी भाषा के खिलाफ नहीं है। पार्टी के नेता संजय राउत ने कहा तमिलनाडु में जो हिंदी विरोध है, उसमें वे न हिंदी बोलते हैं और न दूसरों को बोलने देते हैं। लेकिन महाराष्ट्र में हमारा ऐसा कोई रुख नहीं है। हम हिंदी बोलते हैं, यहां हिंदी फिल्में, थिएटर और संगीत भी है। हमारी लड़ाई सिर्फ प्राथमिक शिक्षा में हिंदी थोपने के

- उद्भव ठाकरे गुट ने महाराष्ट्र में हिन्दी भाषा पर उठे विवाद पर अपना रुख स्पष्ट किया।

खिलाफ है।

राउत ने कहा कि डीएमके नेता एम.के. स्टालिन को उनके संघर्ष के लिए शुभकामनाएं, लेकिन हमारी सीमाएं स्पष्ट हैं। स्टालिन ने जवाब में कहा, हमारी हिंदी विरोधी लड़ाई महाराष्ट्र पहुंची

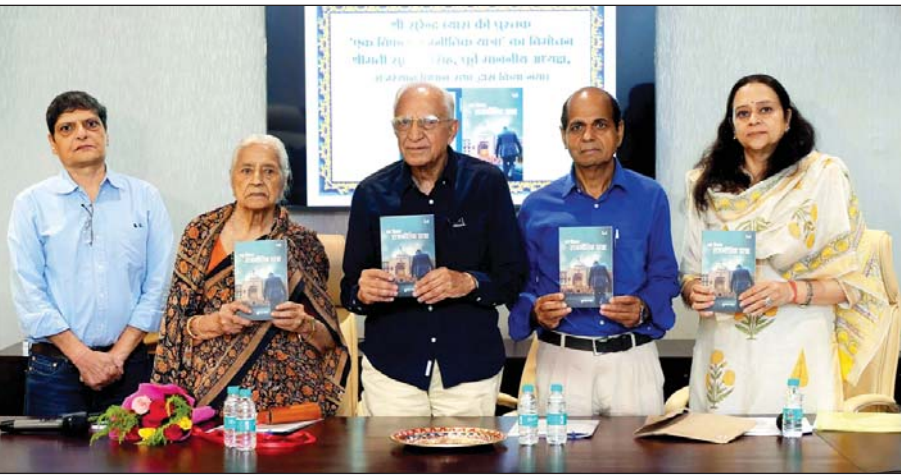
उद्भव और राज ठाकरे को एक साथ मंच पर देखकर स्टालिन ने भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने एक्स पर लिखा कि तमिलनाडु और डीएमके द्वारा पीढ़े दर पीढ़े लड़ी गई हिंदी विरोधी लड़ाई अब बाहर निकलकर महाराष्ट्र तक पहुंच गई है। उद्भव ठाकरे के नेतृत्व में मुंबई में हुई विजय रैली का उत्साह और जोश हमें गर्व और उम्मीद से भर देता है। हालांकि उद्भव गुट ने स्टालिन के समर्थन को सराहा, लेकिन स्पष्ट किया कि वे हिंदी भाषा के विरोध में नहीं हैं, केवल शिक्षा में जबरन थोपने के खिलाफ हैं।

हरियाणा असिसटेंट प्रोफेसर भर्ती प्रक्रिया रद्द की जाये- सुरजेवाला

उन्होंने आरोप लगाया कि कई विषयों में प्रश्न पत्रों की सील टूटी मिली व गंभीर अनियमितताएं सामने आईं

हिसार, 6 जुलाई। राज्यसभा सांसद और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता रणदीप सुरजेवाला ने असिस्टेंट भर्ती प्रक्रिया को लेकर हरियाणा लोक सेवा आयोग (एचपीएससी) पर बड़ा हमला बोला है। आज हिसार में पत्रकारों से बातचीत करते हुए सुरजेवाला ने मुख्यमंत्री नायब सेनी और एचपीएससी चेयरमैन आलोक वर्मा पर सीधा आरोप लगाते हुए पूरी भर्ती प्रक्रिया को रद्द कर दोबारा कराने की मांग की। सुरजेवाला ने आयोग को हेराफेरी सर्विस कमिशन करार दिया और न्यायिक जांच की मांग करते हुए आरोप लगाया कि एचपीएससी में लगातार पेपर लीक, सवालों की कॉपी और आंसर की में गड़बड़ियों जैसी गंभीर अनियमितताएं सामने आ रही हैं।

सुरजेवाला ने बताया कि 29 मई 2025 को पोलिटिकल साइंट्स का पेपर लिया गया, जिसकी सील टूटी हुई पाई गई। 1 जून को आयोजित हिंदी के पेपर में भी यही स्थिति रही। 3 जून को भारी विरोध के बाद पेपर रद्द किया गया।



राजस्थान की पूर्व विधानसभा अध्यक्ष सुमित्रा सिंह ने रविवार को पूर्व मंत्री सुरेन्द्र व्यास की पुस्तक “एक विफल राजनीतिक यात्रा” का विमोचन किया।

राजस्थान में मुख्यमंत्री व विपक्ष में सहयोग की परम्परा रही है - सुरेन्द्र व्यास

पूर्व स्पीकर सुमित्रा सिंह ने पूर्व मंत्री सुरेन्द्र व्यास की पुस्तक “एक विफल राजनीतिक यात्रा” का विमोचन किया

जयपुर 6 जुलाई। राजस्थान के पूर्व मंत्री सुरेन्द्र व्यास की पुस्तक “एक विफल राजनीतिक यात्रा” का विमोचन रविवार को पूर्व विधानसभा अध्यक्ष सुमित्रा सिंह ने किया। कान्तिट्रयूशन क्लब ऑफ राजस्थान के चिन्तन कॉन्फ्रेंस हॉल में मुख्य अतिथि सुमित्रा सिंह ने पुस्तक का विमोचन करते हुए कहा कि 4 बार मेरे साथ विधायक रहे व्यास ने विधानसभा में ज्वलंत मुद्दों को बड़ी शिद्दत के साथ उठाया और उन्हें परिणाम तक पहुंचाने के लिए खूब मेहनत की। कुछ मामलों को तो वे सुप्रीम कोर्ट तक ले गये लेकिन विडम्बना यह रही कि उन मामलों ने सुर्खियां तो खूब बटोरी लेकिन वांछित परिणाम तक नहीं पहुंच पाए। पुस्तक का शीर्षक “एक विफल राजनीतिक यात्रा” व्यास की इसी निराशा का परिणाम है जिसे इन्होंने भी स्वीकार किया है।

- सुमित्रा सिंह ने कहा कि व्यास ने विधानसभा में खूब मेहनत से ज्वलंत मुद्दे उठाये पर, विडम्बना यह रही है कि सुर्खियां तो खूब बटोरीं पर वांछित परिणाम तक नहीं पहुंच पाये।

- सुरेन्द्र व्यास ने भैरोंसिंह शेखावत के दामाद के मामले में उनके लिए संकट की स्थिति पैदा कर दी। जब व्यास विशेषाधिकार द्वारा महाभारत के अभिमन्यु की तरह पिट गये, तब भी उन्होंने सिद्धांतों से समझौता नहीं किया।

राजस्थान की महिलाओं में सर्वाधिक 9 बार विधायक रहें 95 वर्षीय सुमित्रा सिंह ने कहा कि सुरेन्द्र व्यास सदन में बड़ी बेबाकी और तर्कों के साथ अपनी बात कहते थे जिससे बड़ी गम्भीरता से सुना जाता था। उन्होंने व्यास को पुस्तक के लिए बधाई देते हुए आशा व्यक्त की कि ये ऐसी पुस्तकें और लिखें जिनसे नये राजनीतिज्ञों को सीखने का मौका

मिले। पूर्व विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि राजस्थान विधानसभा में सदन के बाहर राजनेताओं के आपसी सम्बन्ध आज के समान कटु नहीं बल्कि मधुर होते थे। व्यास ने नौवीं विधानसभा के कार्यकाल में भैरोंसिंह शेखावत के दामाद के मामले में उनके लिए संकट की स्थिति पैदा कर दी लेकिन जब व्यास विशेषाधिकार हटाने के एक मामले में सत्ता पक्ष के सदस्यों द्वारा महाभारत के अभिमन्यु की तरह चारों ओर से घिर गये तो भी अपने सिद्धांतों से समझौता नहीं किया और माफी नहीं मांगी। ऐसी स्थिति में भी शेखावत ने व्यास को सदस्यता रद्द नहीं होने दी।

इस अवसर पर व्यास ने कहा कि राजस्थान में मुख्यमंत्री एवं विपक्ष के बीच आपसी सहयोग के अनकहे समझौते की परम्परा रही है। पुस्तक में ज्वलंत उदाहरण देकर ऐसे समझौतों को सिद्ध करने का प्रयास किया गया है।

विधानसभा के पूर्व शोध एवं संदर्भ अधिकारी डॉ. कैलाश चन्द सेनी ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए पुस्तक, लेखक और मुख्य अतिथि के व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डाला तथा अंत में लेखक की भावनाओं के अनुकूल सभी का आभार व्यक्त किया। इस मौके पर लेखक व्यास की पुत्री डॉ. शिखा कुमार और दामाद संजय कुमार भी मौजूद थे।

मोदी ने दलाई ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) तिब्बत के अमदो के तकसेर में एक छोटे से गांव में किसान परिवार में हुआ था। जन्म के समय उनका नाम तेनजिन ग्यात्सो था और दो वर्ष की आयु में उन्हें 13वें दलाई लामा, थुबतेन ग्यात्सो के पुनर्जन्म के रूप में पहचाना गया।

चीनी सेना द्वारा 1959 में, ल्हासा में तिब्बती राष्ट्रीय विद्रोह के क्रूर दमन के बाद, दलाई लामा भारत आ गए थे और तभी से यहीं रह रहे हैं।

युद्ध बंधकों पर हमास से बात करने इज़रायली

दल कतर जायेगा

इज़रायली प्रधानमंत्री ने कतर के प्रस्ताव के आधार पर वार्ता करने के लिये सहमति जताई

यरूशलम, 06 जुलाई। इज़रायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने हमास के साथ युद्ध बंधकों पर बातचीत करने के लिए रविवार को एक वार्ता दल को कतर जाने का निर्देश दिया है। इज़रायली प्रधानमंत्री कार्यालय ने एक बयान में यह जानकारी दी।

बयान के अनुसार, स्थिति का आकलन करने के बाद इज़रायल ने इस वार्ता के निमंत्रण को स्वीकार कर लिया है। वह गाजा में बंधक बनाए गए इज़रायलियों की रिहाई के लिए कतर के प्रस्ताव के आधार पर बातचीत जारी किए गए सहमत हो गया है। प्रस्ताव में 60 दिन का युद्ध विराम, पांच चरणों में 10 इज़रायली बंधकों की रिहाई, 18 बंधकों के शवों को सौंपना तथा इज़रायली जेलों में बंद फिलिस्तीनी कैदियों की रिहाई शामिल है।

बयान में कहा गया कि इज़रायल को कल शाम जानकारी दी गई कि हमास ने प्रस्ताव में बदलाव की मांग की है जो इज़रायल को अस्वीकार्य है। इज़रायली सरकार के स्वाभिमत वाले कान टीवी न्यूज़ ने कहा कि हमास ने जो बदलाव दिए हैं उनमें युद्ध समाप्त करने के लिए वार्ता में शीघ्र बदलाव की गारंटी, समझौते की गारंटी देने वाले देशों में तुर्की को शामिल करना, मानवीय सहायता संबंधित विवरण और गाजा पट्टी से इज़रायली सैन्य बलों की वापसी शामिल है।उल्लेखनीय है कि चार जुलाई को हमास ने एक बयान में कहा था कि उसने गाजा युद्ध विराम प्रस्ताव पर मध्यस्थों को सुकरात्मक जवाब दिया है और वह इस रूपरेखा को लागू करने की प्रक्रिया संबंधी बातचीत में हिस्सा लेने के लिए तैयार है।